अमर उजाला | झांसी | रविवार, 21 मार्च 2021 | 8

कृषि वानिकी संस्थान करेगा गौरैया का संरक्षण

झांसी। केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान में शनिवार को विश्व गौरैया दिवस मनाया गया। इस मौके पर गौरैया पक्षी को बचाने का संकल्प लिया गया।

मुख्य अतिथि बांदा कृषि विवि के सहायक प्राध्यापक डॉ. ऐश्वर्य माहेश्वरी ने कहा कि भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गौरैया की संख्या में करीब 60 प्रतिशत तक कमी आ गई है। उन्होंने गौरैया की घटती संख्या पर भी चिंता व्यक्त की। मप्र के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि विश्व में गौरैया की 26 प्रजातियों में से पांच प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं और हमें गौरैया के संरक्षण पर भी ध्यान देना चाहिए। संस्थान के निदेशक डॉ. ए अरुणाचलम ने बताया कि गौरैया हमेशा मनुष्यों की बस्तियों के आसपास ही रही है, लेकिन अब कम होती जा रही है, जिसका संरक्षण बहुत आवश्यक है। इस मौके पर संस्थान में कृषि वानिकी आधारित समेकित कृषि प्रणाली में बतखों को मछली तालाब में छोड़ा गया कार्यक्रम में डॉ. नरेश, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. आशाराम मौजूद रहे। ब्यूरो

Scanned with CamScanner